



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

८५

भाग II—खण्ड ३—उर्द्ध-खण्ड (१)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. १५०] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल १९, १९९१/चैत्र २९, १९१३  
No. 150] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 19, 1991/CHAITRA 29, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे कि वह असग मंफैलन को रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, १९ अप्रैल, १९९१

सा. का. नि. २२१(म)।—दिनांक ७ जनवरी, १९९१ के भारत के राजपत्र, असाधारण,  
भाग २, खण्ड ३, उपखण्ड (१) में पृष्ठ संख्या १—८ पर प्रकाशित भारत सरकार के स्वास्थ्य

और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 7 जनवरी, 1991 की अधिसंख्या सा.का.मि. 10(म) में—

1. पृष्ठ 2, बाएं कालम की—

(1) प्रथम पंक्ति में—

“अधिक न हो 4 मिलाया जा सकता है” के स्थान पर “अधिक न हो मिलाया जा सकता है” शब्द पढ़ें।

(2) नियम (घ) की प्रथम पंक्ति में “समुचित” शब्द के स्थान पर “समुक्ति” पढ़ें।

(3) नियम (ङ) की प्रथम पंक्ति में “निम्नलिखित” शब्द के स्थान पर “निम्नलिखित” पढ़ें।

(4) मद क. 11.02.22,

प्रथम पंक्ति में शब्द “एक्समान” शब्द को “एक्समान” पढ़ें।

तालिका की ओर संच्या—1 मेंदी गई अपेक्षाओं में, “भार के आधार पर कुल ठोस ठोस प्रतिशत” शब्दों को “भार के आधार पर कुल ठोस प्रतिशत” पढ़ें।

2. पृष्ठ 3, प्रथम कालम में;

मद क. 11.02.22.01 के अंतिम पैरा की दूसरी पंक्ति में, शब्द “शुद्ध आधार पर” को “शुद्ध आधार पर” पढ़ें।

[सं. पी. 15014/2/89—पी. एच. (एफ. एण्ड एन.)]

बलधीर सिंह, संयुक्त सचिव